





मुकुल गोयल
आई.पी.एस.



पुलिस महानिदेशक, उत्तर प्रदेश

पुलिस मुख्यालय (सिग्नेचर बिल्डिंग)
गोमती नगर विस्तार, लखनऊ

सन्देश

प्रिय साथियों,

शक्ति एवं निष्ठा के प्रतीक, लाल एवं नीले रंग के ध्वज ने उत्तर प्रदेश पुलिस को एक गौरवमयी पहचान दी है। किसी संगठन का ध्वज उसकी शान व पहचान होता है। ध्वज का महत्व आदि काल से वेदों व पुराणों में देखने को मिलता है। इतिहास गवाह है कि ध्वज पताका की प्रेरणा से धर्म की अधर्म पर विजय अविस्मरणीय रही है।

उत्तर प्रदेश पुलिस पूरे भारतवर्ष का प्रथम राज्य पुलिस बल है, जिसे उसके अप्रतिम योगदान के फलस्वरूप 23 नवम्बर, 1952 को भारत के प्रथम प्रधानमंत्री जी द्वारा पुलिस ध्वज प्रदान किया गया है।

इसके उपरांत मुम्बई पुलिस (पुलिस कमिश्नरेंट) को 1954, महाराष्ट्र पुलिस को 1961, जम्मू एण्ड कश्मीर पुलिस को 2003, तमिलनाडु पुलिस को 2009, हिमांचल प्रदेश पुलिस एवं गुजरात पुलिस को 2019 में यह सम्मान प्राप्त हुआ है।

यह ध्वज हमारे गौरवशाली इतिहास का प्रतीक है। पुलिस ध्वज को फहराने और उसके प्रति सम्मान प्रदर्शित करते समय हमें स्वाभिमान एवं गर्व की अनुभूति होती है, हम सभी में कर्तव्यनिष्ठा की नई ऊर्जा संचरित होती है। यह ध्वज हमें नये जोश और उत्साह के साथ कर्तव्यपालन के लिए प्रेरित करता है। इतिहास हमारे निष्ठावान साथियों की अनवरत ड्यूटी, कर्तव्यपरायणता, जन-सेवा, पराक्रम तथा कर्तव्यपथ पर प्राणोत्सर्ग करने वाले आत्म बलिदानी वीर साथियों की अनगिनत गाथाओं का साक्षी है।

आबादी के अनुसार देश में प्रथम स्थान पर रहने के बावजूद उपलब्ध जनशक्ति एवं संसाधनों से उ0प्र0 पुलिस द्वारा शासन की अपेक्षानुसार **अपराध एवं भ्रष्टाचार के प्रति जीरो टालरेंस की नीति** एवं कठोरतम कार्यवाही करने के फलस्वरूप, सभी महत्वपूर्ण अपराधों में भारी कमी आयी है। यह सब आप सभी की कार्यकुशलता का ही परिणाम है। दुर्दान्त अपराधियों एवं माफियाओं के साम्राज्य को ध्वस्त किया गया। इसके साथ ही महिलाओं और बालिकाओं की सुरक्षा करने, उनके प्रति अपराध रोकने, उन्हें त्वरित न्याय दिलाने, उनके सम्मान व स्वालम्बन हेतु ऐतिहासिक कार्य किये जा रहे हैं, जिससे आमजन ने चैन की सांस ली है और आर्थिक प्रगति का मार्ग प्रशस्त हुआ है। इसी क्रम में उत्तर प्रदेश पुलिस के ए0टी0एस0 युनिट द्वारा मूक

बधिर छात्रों एवं कमजोर आय के वर्गों को प्रलोभन देकर धर्मान्तरण करने वाले सिण्डीकेट को ध्वस्त कर उन्हें जेल भेजा गया।

विगत दिनों प्रदेश की राजधानी लखनऊ में विवेचनाओं के निस्तारण में वैज्ञानिक विधियों के समावेश हेतु यू0पी0 स्टेट इंस्टीट्यूट आफ फॉरेंसिक साइंसेज का शिलान्यास किया गया। यह संस्थान नेशनल फॉरेंसिक साइंसेज यूनिवर्सिटी से सम्बद्ध होगी।

लखनऊ व गौतमबुद्धनगर के अलावा 16 परिक्षेत्रीय मुख्यालयों पर साइबर क्राइम थाने की स्थापना की गयी है तथा **साइबर जागरूकता कैम्पेन व प्रशिक्षण कार्यक्रम** को विभिन्न चरणों में चलाया जा रहा है। साइबर अपराध करने वालों के विरुद्ध एवं सोशल मीडिया के माध्यम से फर्जी/भ्रामक खबरें फैलाने वालों के विरुद्ध सख्ती से कार्यवाही की गयी है। जनशिकायतों का समाधान एवं निरन्तर संवाद द्वारा उ0प्र0 पुलिस की सोशल मीडिया ने जनता का विश्वास अर्जित किया है।

कोरोना सर्वव्यापी महामारी के समय उ0प्र0 पुलिस द्वारा **“कोरोना वॉरियर्स”** के रूप में उत्कृष्ट कार्य किया गया है।

उत्तर प्रदेश को **“अखिल भारतीय पुलिस महानिदेशक/पुलिस महानिरीक्षक सम्मेलन-2021”** को सम्पन्न कराने का सौभाग्य प्राप्त हुआ, जिसमें मा0 प्रधानमंत्री जी एवं मा0 गृहमंत्री जी, भारत सरकार के साथ-साथ पूरे देश के पुलिस महानिदेशक/पुलिस महानिरीक्षक एवं देश के पुलिस संस्थानों के महानिदेशक/प्रतिनिधि सम्मिलित हुए। सम्मेलन को सम्पन्न कराना हमारे लिये बहुत बड़ी चुनौती थी, जिसका सफल आयोजन आप सभी के परिश्रम का परिणाम रहा है। सम्मेलन में लिये गये निर्णय को क्रियान्वित करने के लिये हम कटिबद्ध हैं। सम्मेलन को सकुशल सम्पन्न कराने के लिये सभी पुलिस अधिकारियों/कर्मचारियों को बधाई देता हूँ।

इसी उत्साह के साथ हमें आगे आने वाले **विधान सभा चुनाव-2022** को निष्पक्ष एवं शान्तिपूर्ण सम्पन्न कराने के साथ ही अतिविशिष्ट/विशिष्ट महानुभावों की सुरक्षा तथा उनके कार्यक्रमों को सकुशल सम्पन्न कराने के लिये अभी से ही तैयार रहना है।

अन्त में पुनः पुलिस झण्डा दिवस के अवसर पर आप सभी को हार्दिक शुभकामनायें देते हुए मैं अपेक्षा करता हूँ आप पुलिस विभाग के गौरवशाली अतीत की गरिमा बनाये रखेंगे और संवेदनशील व शौर्यपूर्ण कर्तव्यनिष्ठा से ऐसे अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत करेंगे, जिससे जनता में पुलिस के प्रति विश्वास बढ़े और प्रदेश पुलिस के जनोन्मुखी एवं उज्ज्वल छवि में नित नया निखार आता रहे।

जय हिन्द!

(मुकुल गोयल)
पुलिस महानिदेशक,
उत्तर प्रदेश